खट्टर सरकार तेरे ढोंग से हरियाणा 'हैरानी' में है, तेरे झूठे जुमलों से 'परेशानी' में है

करनाल में भाजपा हर रैली में विकास के नाम पर वोट मांगती है, लेकिन यह नहीं बताती कि सरकार की नाकामी की वजह है अधिकारियों को राजनीतिक संरक्षण, आखिर भाजपा सरकार क्यों अधिकारियों को राजनीतिक संरक्षण दे रही है? देखिए एक ऐसी खबर जो भाजपा के झूठ को बेनकाब कर रही है। और सभी चौकीदार सो रहे हैं ।

हम आपको बता दें, मुख्यमंत्री हरियाणा ने 2016 में लोहे के पुराने खंबो को हटाने के आदेश दिये थे क्योंकि लोहे के खम्बों में हो सकता है करंट भी भी जा सकती है, पर आज तक उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम ने शहर मे लगे लोहे के खम्बों को नहीं हटाया गया ओर ना ही एसई एके रहेजा को निलंबित कर सख्त कानूनी करवाई की गयी ओर मुख्यमंत्री के आदेशों के बाद भी कोई एक्शन नही लिया ओर अधिकारी खुले आम उड़ा रहे हैं आदेशों की धज्जियाँ ।

अब वोट डालने से पहले जनता भाजपा सरकार से ही सवाल करे।

1. क्या करनाल शहर में सारे लोहे के खम्बे हटा दिये गये या नहीं ?

2. क्या मुख्यमंत्री हरियाणा व मंत्री हरियाणा के आदेशों की पालना की गई है?

3. क्या एसई एके रहेजा को निलंबित किया गया या एफआईआर दर्ज की गई ?

अगर आपके सवाल का उत्तर नहीं है तो जरा सोचिए जिस प्रदेश में मुख्यमंत्री हरियाणा व मंत्री हरियाणा की कोई अधिकारी नहीं सुनता तो आपकी कौन सुनेगा ।

आप सभी मतदाताओं से अपील है कि देश के मनोबल को गिरानेवाले एवं विभाजनकारी ताकतों का बहिष्कार करें।

एक गलत वोट आपके बच्चों को चायवाला, पकौड़ेवाला या चौकीदार बना सकता है।

TO-LET किराए के लिए

GROUND FLOOR
SHOWROOM/OFFICE

Measuring 1000-2000-3000 Sq. Ft.
Front 15ft-30ft-45ft, Depth 70 ft,
On 60ft Main 3-E/3-F Dividing Road,
N.I.T-3, Faridabad
Best location with all facilities.

#9811199260
(Owner)

Brokers Welcome

रिश्ते ही रिश्ते

माँ झण्डे वाली मैरिज ब्यूरो

OFFICE : 5M/22, N.I.T. FARIDABAD

CONTACT : ANSHU DUA
(M) : 9990589008, 7982962823, 9891124022

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्क़त हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. आनंद मैगजीन सैंटर केसी रोड, एनएच-5
2. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड
3. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
4. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे
5. राम खिलावन बल्लबगढ़ बस अड्डा पुलिस चौकी के सामने
6. हितेश ग्रोवर सैक्टर 29 पेट्रोल पम्प के पास
7. जितेन्द्र, बाटा सैंटर - 9971064207

गतांक की चीर-फ़ाड़

आम आदमी पार्टी का प्रत्याशी रातों रात ''पंडित'' बन गया

डॉ. जुगल किशोर गुप्ता

मज़दूर मोर्चा के 28 अप्रैल-4 मई 2019 के अंक में राजनीतिक, ऐतिहासिक, प्रशासनिक, सामाजिक व आर्थिक मुद्दों पर अनेक महत्वपूर्ण समाचार प्रकाशित हुए हैं। फ़रीदाबाद लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले राजनीतिक दलों तथा प्रत्याशियों की चुनावी रणनीति व स्थिति स्पष्ट होने लगी है। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने वर्तमान सांसद व मंत्री कृष्णपाल गूजर को मैदान में उतारा है तो कांग्रेस ने दल-बदल करने में माहिर पूर्व कांग्रेसी व यूपी से भाजपा विधायक अवतार सिंह भड़ाना पर अपना दाव खेला है। आम आदमी पार्टी (आप) तथा जननायक जनता पार्टी (जजपा) के संयुक्त उम्मीदवार के तौर पर सुप्रीमो केजरीवाल ने नवीन जयहिंद को उतार दिया, जिन्होंने अपना नाम घोंषित होते ही अपने आपको पंडित नवीन जयहिंद शिवभक्त कांवड़िया प्रचारित करना शुरू कर दिया। बहुजन समाज पार्टी (बसपा)-एलएसपी गठबंधन ने मनधीर सिंह मान तथा इंडियन नेशनल लोक दल (आईएनएलडी) ने महेन्द्र सिंह चौहान को अपने-अपने प्रत्याशी घोषित किये हैं। इनके अतिरिक्त अन्य निर्दलीय प्रत्याशी भी मैदान में हैं।

'आम आदमी पार्टी का प्रत्याशी रातों रात ''पंडित'' बन गया-खुद को सेकुलर कहलाने वाली ''आप'' बन गई ''हिन्दू-मुस्लिम'' पार्टी, भाजपाई कृष्णपाल के मुकाबले कांग्रेस ने उतारा अपना पुराना अवतार-सांपनाथ, चुनने की आज़ादी है चुन लो कोई एक', 'संसदीय चुनाव में भाजपा उम्मीदवार कृष्णपाल नालायक विधायकों पर निर्भर रहे तो कैसे', -कृष्णपाल और अवतार गए तेल लेने फ़रीदाबाद में तो लोकतंत्र हार की ओर' तथा 'कृष्णपाल व अवतार एक ही पाखंडी बाबे के चेले हैं' में प्रमुख प्रत्याशियों नवीन जयहिंद, कृष्णपाल गूजर तथा अवतार सिंह भड़ाना की चुनावी रणनीति तथा संभावित स्थिति का निष्पक्ष विश्लेषण किया गया है।

आप का आंकलन है कि वह थोड़े वोट गूजरों के ले लेगी, जेजेपी जाट वोट दिला देगी, केजरीवाल की सेकुलर छवि से मुसलमानों के वोट मिल जायेंगे और नवीन जयहिंद ब्राह्मण हैं तो ब्राह्मण मतदाता भी उन्हें जरूर वोट दे देंगे। परंतु केजरीवाल भूल गए कि हरियाणा में लोकसभा चुनाव दिल्ली जितना लड़ना आसान नहीं है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि आप के प्रदेश प्रवक्ता रणवीर चंदेल कभी भी अवतार भड़ाना के समर्थन में आप को अलविदा कह सकते हैं। कांग्रेस के अवतार भड़ाना अपनी धन शक्ति, जाति आदि के गुणा भाग करके सम्पर्कों को पुनर्जीवित करने तथा कांग्रेस के कुछ नाराज नेताओं को मनाने में लगे हुए हैं। हालांकि कांग्रेसी रूठे नेता माने और अपना पूरा समर्थन देने की बात भी कही लेकिन उसके बाद इनमें से अधिकांश घर पर बैठ गए। दूसरी तरफ़ भाजपा के कृष्णपाल को अपनी पार्टी की अंदरुनी कलह तथा लोग़ों की उपेक्षा व विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे कृष्णपाल व अवतार भड़ाना दोनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि जब गंगा पर एक के बाद एक बांध बनाये जा रहे हैं तो गंगा का प्रवाह अविरल और निर्मल कैसे होगा? मोदीजी नदी के घाट संवारने और गंगा आरती को भव्य बनाकर अपनी छवि निखारने में ज्यादा रूचि रखते हैं।

राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को पढे बिना कोर्ट के हवाले से प्रधानमंत्री मोदी के बारे में 'चौकीदार चोर है' कहने के लिये पेश हल्फ़नामे के जरिए अपनी गलती के लिये खेद जताया और कोर्ट से मामले को बंद करने का आग्रह किया तथा उनके वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि उनके मुविक्कल पॉलिटिकल स्लोगन-'चौकीदार चोर है' पर कायम है। जबकि इसके उलट प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा अध्यक्ष अमित शाह, सुषमा स्वराज, अरुण जेटली, रविशंकर प्रसाद, निर्मला सीतारमण आदि सुप्रीम कोर्ट के 14 दिसम्बर 2018 के फैसले के हवाले से राफ़ेल मामले में केन्द्र सरकार को क्लीन चीट देते आ रहे हैं जबकि मामला अभी कोर्ट में लम्बित है, जिसका 'चौकीदार चोर है कहने पर मोदी की हो रही मानहानि' में खुलासा किया गया है।

पाठकों के सामने महत्वपूर्ण सवाल है कि राहुल गांधी ने तो सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले के हवाले से बयान देने के लिये खेद व्यक्त कर दिया लेकिन प्रधानमंत्री समेत अन्य भाजपा नेताओं के विरुद्ध क्या कार्यवाई होगी जो लगातार झूठा प्रचार कर रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को राफ़ेल मामले में क्लीन चिट दे दी है?

'जनता के असली हीरो वीर चन्द्र सिंह गढवाली' के जरिए स्वतंत्रता आंदोलन की ऐतिहासिक हिन्दु-मुस्लिम एकता की घटना' पेशावर म्युटीनि' से पाठकों को रूबरू कराया गया है। पेशावर में 23 अप्रैल 1930 को विदेशी कपड़ों व माल के विरोध में पख्तून नेता खान अब्दुल गफ़्फ़ार के नेतृत्व में पठानों का जुलूस सभा थी, जिसको कुचलने के लिये अंग्रेज सरकार ने गढ़वाली राइफ़ल की दो पलटन तैनात की जिनका नेतृत्व चन्द्र सिंह गढवाली कर रहे थे। कप्तान रिकेट के आदेश के बावजूद चन्द्र सिंह के हिन्दू सैनिकों ने निहत्थे पठानों पर गोली चलाने से इन्कार कर दिया। इस सैनिक आंदोलन को कुचलने के लिये आनन-फ़ानन में अंग्रेज सेना बुला ली गई जिसने गढ़वाली आंदोलन को कुचल दिया और 67 सैनिकों का कोर्ट मार्शल किया गया।

विशेष ध्यान देने योग्य है कि जब गांधी-इर्विन समझौता हुआ तब महात्मा गांधी ने इर्विन के सामने इन गढ़वालियों की रिहाई के लिये कोई विशेष शर्त नहीं रखी और कांग्रेस के आधिकारिक रिकार्ड में पेशावर म्युटीनि का कोई जिक्र नहीं मिलता। बाद में संयुक्त प्रदेश (यूपी) के कांग्रेसी मंत्रियों के प्रभाव से 1937 में इनकी रिहाई हो पाई थी। देश में आज जिस तरह से सुरक्षा बलों के नाम पर राजनीति हो रही है ऐसे में चन्द्र सिंह गढवाली और 1930 का पेशावर आज और भी ज्यादा प्रासंगिक हो गए हैं।

गौ हत्या, गौ-वंश और गौ-मांस के नाम पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद हिन्दुवादियों द्वारा मॉब लिंचिंग की जा रही है। भाजपा शासित झारखंड में हिन्दुत्ववादियों ने आदिवासियों पर हमला कर दिया जिसमें एक आदिवासी प्रकाश लकड़ा मारा गया और अन्य तीन बुरी तरह घायल हो गये, जिसका 'झारखंड में हिंदुवादियों ने मार डाला मृत बैल का मांस निकाल रहे आदिवासी को मॉब लिंचिंग के शिकार पीटर केरकट्टा घायलावस्था में पूरा पर्दाफ़ाश किया गया है। भाजपा शासित राज्यों में ये हत्यायें लगातार हो रही हैं लेकिन हत्यारे कभी भी पकड़े नहीं जाते क्योंकि अक्सर वे सत्ता द्वारा संरक्षित होते हैं और पुलिस किसी बेगुनाह के सिर पर हत्या का आरोप लगाकर आरोपी को बचा लेती है, जिसका 'आप राष्ट्रवादी, हिन्दूवादी और उन्मादी हैं तो सरकार, पुलिस, न्यायालय सब आपकी जेब में' भंडा-फ़ोड़ किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले लोकसभा चुनाव के समय कहा था-''मैं आया नहीं, मुझे गंगा मां ने बुलाया है'' परन्तु यह कथन एक जुमला बन कर रह गया और अपने पांच वर्ष के काल में गंगा की अविरलता और निर्मलता के लिये कुछ नहीं किया। सरकार बनते ही मोदीजी ने नेशनल गंगा रिवर बेसिन अथॉरिटी के नौ पर्यावरणविदों को बाहर का रास्ता दिखा दिया जो गंगा की अविरल धारा चाहते थे। इसके अतिरिक्त भागीरथी नदी पर तीन जल विद्युत परियोजनाओं को निरस्त करने से मोदी सरकार ने इनकार कर दिया, जिसके कारण तप करते हुए स्वामी सानन्द की मृत्यु हो गई। अब हरिद्वार में सन्यासी आत्मबोधानंद गंगा की अविरलता और निर्मलता को लेकर 180 दिनों से अनशन कर रहे हैं। सरकारी उपेक्षा से दुखी होकर स्वामीजी ने प्रधानमंत्री मोदी को 19 अप्रैल को एक पत्र लिखकर 27 अप्रैल से जल त्यागने की घोषणा की है। परंतु आत्मप्रशंसा में विभोर मोदी जी ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया और स्वामी सानन्द की तरह स्वामी आत्मबोधानंद का जीवन भी खतरे में हैं, जिसकी 'आत्मबोधानंद के लिये यह समय सन्यासी से संग्रामी का है प्राण त्यागने का नहीं-जल क्या गंगा के लिये प्राण भी त्याग दें आत्मबोधानंद तो नहीं सुनेंगी मोदी सरकार' में समीक्षा की गई है।

भाजपा व हिन्दुत्ववादी संगठन सियासत के लिहाज से गौहत्या व गौ-मांस का मुद्दा अक्सर गरमाते रहते हैंऔर इस बिना पर मॉब लिंचिंग भी करते रहते हैं लेकिन पार्टी को बीफ़ एक्सपोर्टर से चंदा लेने में कोई परहेज नहीं है। टाइम्स ऑफ़ इंडिया में छपी रिपोर्ट के अनुसार भाजपा ने बीफ़ एक्सपोर्टरों से ढाई करोड़ रुपये का चंदा लिया है, जिसकी 'बीजेपी को बीफ़ से इंकार लेकिन चंदे से प्यार' के ज़रिए पोल खोली गई है। मोदी जी द्वारा 25 अप्रैल 2019 को वाराणसी में अपनी रैली के दौरान 12 करोड़ रुपये के गुलाब के फूल अपने ऊपर बरसाने के लिये मंगवाने और अपने आपको फकीर कहने पर 'इनकी गरीबी और फ़कीरी देखकर आंख में पानी आ गया।' कविता के जरिये मोदीजी पर सार्थक कटाक्ष किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पूर्व अमरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा से तू-तड़ाक करके बात करने की कहने पर 'अंग्रेजी में तू कैसे कहते हैं भाई', मोदी जी व अमितशाह द्वारा अयोध्या में पहली बार जाने पर 'अयोध्या-कुछ सुना-सुना सा लगता है ये नाम', चुनाव आयोग द्वारा मोदी व मोदी सरकार द्वारा आचार संहिता उलंघन करने पर कोई कार्यवाई न करने पर 'चुनाव आयोग-अगर यह कुर्सी शेषण साहब ने अपने कद और डील डॉल के मुताबिक बनवा दी तो हम क्या करें?' तथा दोषियों व अपराधियों को भाजपा में शामिल होने पर 'तुम्हारी कोई आखिरी इच्छा है?-हां! मैं बीजेपी में शामिल होना चाहता हूं -तूमने ये पहले क्यों नहीं बताया तुम तो बिल्कुल बेगुनाह हो' कार्टूनों के ज़रिये मोदी जी की नीतियों व कार्यशैली पर आयुक्त तंज कसा गया है।